an>

Title: Need to introduce a new rail service between Surat and Varanasi and also take measures for improvement of existing rail services between the two cities.

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश (सूरत) : सूरत और वाराणसी दोनों औद्योगिक नगरी हैं। दोंनों शहरों का बहुत ही पुराना ऐतिहासिक संबंध रहा है। दोनों शहरों का आपसी व्यापारिक रिश्ता भी जुड़ा हुआ है। सूरत की जरी और वाराणसी की साड़ियों का व्यापार एक-दूसरे पर पूरी तरह से निर्भर है। इसकी वजह से दोनों शहरों के व्यापारियों का सूरत और वाराणसी के बीच प्रायः आना-जाना लगा रहता है।

इसके साथ ही साथ वाराणसी और उसके आस-पास स्थित पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों के लोग सूरत में रोजगार के लिए आकर बस गए हैं और सूरत के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। ऐसे प्रवासी उत्तर भारतीयों का अपने गांव आना-जाना लगा रहता है जिनकी संख्या गर्मी की छुट्टियों के समय काफी बढ़ जाती है। गाड़ियों की कमी की वजह से इन यात्रियों की दुःखद यात्रा का वर्णन करना काफी कठिन है।

इस संबंध में समय-समय पर पूर्व में कई बार रेल मंत्रालय के अधिकारियों और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन को पत्र के माध्यम से कई सांसदों और समाजसेवी संस्थाओं ने अलग-अलग सूचित करते हुए अनुरोध किया था कि इस मार्ग पर गाड़ियों की संख्या बढ़ाई जाए और एक दुरंतों जैसी नई गाड़ी चलाई जाए जिससे इस मार्ग के यात्रियों को भी एक बेहतर रेल सुविधा का लाभ मिल सके।

वाराणसी संसदीय क्षेत्र को आज हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का संसदीय क्षेत्र होने का गौरव प्राप्त है। वाराणसी शहर एक धार्मिक स्थल और आध्यात्मिक नगरी भी है। सूरत सहित गुजरात के अधिकांश लोग प्रायः वाराणसी की धार्मिक यात्रा करते हैं। ऐसे में वाराणसी और उसके आस-पास के मूल निवासियों, सूरत तथा वाराणसी के व्यापारियों और धर्मपरायण नागरिकों को सूरत से वाराणसी तक सुविधाजनक रेल यात्रा का लाभ तथा पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिल सके, इसके लिए रेल मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करते हुए अनुरोध है कि सूरत वाराणसी के बीच नई रेल सेवा प्रारंभ करने के साथ ही साथ इस रूट की वर्तमान रेल सुविधाओं में सुधार करने संबंधी आवश्यक कार्रवाई करने की कृपा करें।